NHS SCOTLAND

स्कॉटिश अल्पसंख्यक जाति कोम्युनिटियों में स्वास्थ्य सुधार

वार्षिक रिपोर्ट संचालन कमिटि और नैशनल रिसोर्स सैन्टर फ़ॉर ऐथनिक माइनोरिटी हैल्थ के डाइरैक्टर के प्रबंधक की ओर से सारांश

2002-2003

कार्यकारी सारांश

इस दस्तावेज़ में शामिल है नेशनल रिसोर्स सैन्टर फ़ॉर ऐथनिक माइनोरिटी हैल्थ के संचालन समूह की वार्षिक रिपोर्ट और डाइरैक्टर ऑफ़ एनआरसीईएमएच और इसकी टीम की रिपोर्ट। संचालन समूह की ओर से पूरे स्कॉटलैन्ड से निपुण सदस्यों वाली एनआरसीईएमएच की योजना के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस संयुक्त रिपोर्ट में संचालन समूह और एनआरसीईएमएच के दरम्यान एक साथ किये कार्यों को प्रतिबिंबित किया गया है।

रिपोर्ट के दो हिस्से हैं। पहले हिस्से में एनआरसीईएमएच के काम का सारांश है। दूसरे हिस्से में फ़ेअर फ़ॉर ऑल हैल्थ डिपार्टमैन्ट लेटर [एचडीएल] (2002) 51 की आवश्यकताओं को विशेष करके जाति और स्वास्थ्य सम्बन्धी नीतियों को लागू करने में एनएचएस स्कॉटलैन्ड द्वारा हुई उन्नति का सारांश है।

हिस्सा दो में 2000 में एफ़एफ़ए के आरंभ होने से एनआरसीईएमएच द्वारा मुख्य नीति की प्राथमिकताओं में से एक के सम्बन्ध में फ़ेअर फ़ॉर ऑल प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार की गई है। इससे रेस रिलेशन्स (आमेन्डमेन्ट) ऐक्ट 2000 (आरआरएए) की विशेष ज़िम्मेदारियों से सम्बन्धित पहले वर्ष में जाति समानता को बढ़ाने के लिये आज्ञापालन की सीमा और प्रकार की जाँच की जाती है। प्रगति में शामिल है एचडीएल (2002) 51 पर आधारित एफ़एफ़ए एक्शन प्लान का विश्लेषण। दोनों प्रक्रियाओं में विश्लेषण के अतिरिक्त, वे मुख्य प्रभाव और सिफ़ारिशों के बारे में भी बातचीत करते हैं जो कि द्वितीय और तृतीय वर्ष की योजनाओं की कार्रवाई करने और शुरूआत से हुई सही प्रगति की जाँच शुरू करने में बोर्डस को मदद करेगी।

विश्लेषण में प्रयोग करने के लिये नेशनल असैसमैन्ट के ढ़ांचे को तैयार किया गया था और हमें उम्मीद है कि यह बोर्डस और ट्रस्ट्स के लिये एक क्रियात्मक मार्गदर्शन की तौर पर काम करेगा। प्रथम वर्ष में, सीआरई के साथ मिलकर एनआरसीईएमएच, बोर्डस और ट्रस्ट्स को राष्ट्रीय नैटवर्कस द्वारा योग्य अभ्यास का प्रयोग करने और उत्साह देने के साथ नई आवश्यकताओं के साथ एकमत हुई है। आने वाले वर्ष के लिये नीती के विकास से लेकर नीती पर अमल करने तक कार्रवाई करने की उम्मीद है।

संदर्भ

काम आरआरएए (RRAA) 2000 और फ़ेअर फ़ॉर ऑल एच डी एल की आवश्यकताओं पर आधारित है। यह कोम्युनिटी की योजना, मानवीय अधिकार, समानता और असमानता और पेशन्ट फ़ोक्स और पब्लिक इन्वोल्वमैन्ट (पीएफ़पीआई) की ज़िम्मेदारियों के साथ एनएचएसस्कॉटलैन्ड में स्थापित व्यापक संस्था से निश्चित तौर पर अंत:स्थापित रहता है।

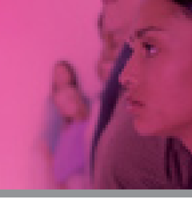

हिस्सा 1

नेशनल रिसोर्स सैन्टर फ़ॉर ऐथनिक माइनोरिटी हैल्थ (एनआरसीईएमएच) को फ़ंड स्कॉटिश एक्ज़ेक्टिव की ओर से एनएचएसस्कॉटलैन्ड, विशेष तौर पर हैल्थ बोर्डस, के लिये अल्पसंख्यक जाती लोगों के स्वास्थ्य के कामों के लिये प्रदान किया जाता है। एनआरसीईएमएच 1 अप्रैल 2002 से संक्रियात्मक हुआ। इसमें डाइरैक्टर, दो प्रोजैक्ट सैक्रैटरी और तीन प्रोजैक्ट मैनेजर हैं जो कि नीति, जानकारी और प्रशिक्षण की मुख्य प्राथमिकताओं पर केन्द्रित होते हैं। इसके अतिरिक्त, एनआरसीईएमएच के जरिये कोम्युनिटीओं के विकास की चौथी मुख्य प्राथमिकता को बढ़ाने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया गया है।

एनआरसीईएमएच का मिशन यह उस योग्य स्वास्थ्य सेवा की निश्चितता के लिये मदद करने के लिये है कि जो सीमान्त अल्पसंख्यक जाति कोम्युनिटियों की समस्याओं को संबोधित करते हैं और अपक्षपातीय नीति और अभ्यास पर आधारित संवेदनीय और सांस्कृतिक तौर पर निपुण सेवा की सुविधा प्रदान की जाती है।

नीति का प्रभाव

गत वर्ष में एनआरसीईएमएच ने स्कॉटलैन्ड में सभी बोर्डस और ट्रस्ट्स को उनकी रेस इक्वॉलिटी की स्कीमों और फ़ेअर फ़ॉर ऑल एक्शन प्लानों का विकास करने और साथ में सीआरई की हिस्सेदारी में राष्ट्रीय समीक्षा की कार्रवाई करने में मदद की थी।

एनआरसीईएमएच सीआई के साथ सांझेदारी के काम को बढ़ाने के लिये सहायक हुई है जो कि युनाइटिड किन्गडम के अन्य तीन क्षेत्रों में इस समय की मौजूदा स्वास्थ्य संस्थाओं के लिये ओर अधिक संयुक्त और सहायक शिक्षा प्रदान करती है। यह नया मजबूत ढ़ांचा है जो कि इस समय स्कॉटलैन्ड में है, इससे स्वास्थ्य के लिये जातिगत समानता के क्षेत्रों के प्रति काम करेगी। संयुक्त पहुँच का परिणाम और अधिक प्रभावपूर्ण साबित हुआ है जो कि अगवाई और उच्च स्तर की वचनबद्धता पर स्थापित किया गया है। इसके साथ होते गेरलाभों को कम करने और सभी नीतियों और योजनाओं को बनाने की कार्रवाई में स्थानिक असमानता के बारे में विचार करने में मदद होगी।

इस रिपोर्ट के लिये किये गये विश्लेषण से निश्चित हुआ है कि दो वर्ष पहले केअर फ़ॉर ऑल स्टोकटेक्स से लेकर उन्नति पहले से ही हुई है। कुछ बोर्डस और ट्रस्ट्स ने उनकी जो आवश्यकताओं के बारे में मांग की थी उसका जवाब उत्साह के साथ दिया गया है, जब कि खेदजनक तौर पर, और अधिक आवश्यक अभ्यास की तौर पर इस पर केन्द्रित होने की ज़रूरत हैं। रेस इक्वॉलिटी स्कीमों और एक्शन प्लान्स के प्रभाव से अनेक संस्थाओं और व्यक्तिगत लोगों को संस्थाकीय जातिगत के प्रकार को समझने में स्पष्ट तौर पर मदद हुई है। अनेक लोगों के लिये, यह नया क्षेत्र है, और आने वाले समय दरम्यान निपुणता और गुप्तता को बढ़ाया जायेगा। अब भी सभी नौकरों और बोर्ड के सदस्यों दरम्यान इस एजेन्डा का अधिकार प्राप्त करने की चुनौती है, साथ ही अल्पसंख्यक जाति लोगों के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में कार्यसूची को पूरा करने के जरिये कोम्युनिटियों के विश्वास और गुप्तता को स्थापित करती है।

बोर्ड्स में कानूनी और नीति सम्बन्धी आम आवश्यकताओं के अतिरिक्त, कुछ गिनती की प्राथमिकताओं को महत्त्व दिया गया है जिस पर विशेष तौर पर केन्द्रित होने की आवश्यकता है। उत्तम अभ्यास में सहकारी बनने और उत्साहित करने के लिये विषयक नैटवर्कस स्थापित किया गया है। नीति में शामिल है जिप्सी यात्री, शरणार्थी और रेफ़्युजिस, कोम्युनिटियों की उन्नति, मानसिक स्वास्थ्य और कैन्सर नैटवर्कस :-

कोम्युनिटी की उन्नति : संचालन समूह की योजना से स्पष्ट मार्गदर्शन मिलता है कि एनआरसीईएमएच के काम का चौथा मजबूत समर्थक है कोम्युनिटी की उन्नति। एनआरसीईएमएच ने एसईएचडी की पेशन्ट फ़ोकस और क्वॉलिटी युनिट की मदद के साथ पेशन्ट फ़ोकस और पब्लिक इन्वोल्वमैन्ट एजेन्डा की ज़िम्मेदारी लेने के लिये राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मौजूदा संस्थाओं की सांझेदारी में काम करने वाला एक समूह स्थापित किया है।

मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा/पदार्थ का अनुचित प्रयोग स्कॉटिश एक्ज़ेक्टिव के मानसिक स्वास्थ्य को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता की तौर पर स्वीकार किया गया है और इसके साथ ही मैन्टल वेल्फ़ेअर कमिशन ने इस वर्ष काम के लिये इस विषय को प्राथमिकता दी है। इस राष्ट्रीय केन्द्र को मदद करने के सम्बन्ध में, यह अनुमान किया जाता है कि एक राष्ट्रीय नैटवर्क तैयार किया जायेगा और एनआरसीईएमएच के लिये एक नये ज़िम्मेदार व्यक्ति का प्रबन्ध किया जायेगा। यह काम बोर्डस और ट्रस्ट्स में और मौजूदा अल्पसंख्यक जाति सहायक संस्थाओं के अभ्यास की योजना बनाने का काम जारी रखने के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य योजनाओं की वर्तमान परिस्थिति की स्पष्टता करने पर केन्द्रित होगा। और, स्वास्थ्य तथा सामाजिक देखभाल के पूर्ण व्यवसायों की शिक्षा और प्रशिक्षण के बाहरी/आंतरिक सांस्कृतिक मानसिक स्वास्थ्य की पढ़ाई की सुनिश्चितता करने पर केन्द्रित होते काम का हाल ही में विकास हो रहा है।

कैन्सर : सीआरई की मांग पर, एनआरसीईएमएच ने राष्ट्रीय कैन्सर योजना के सम्बन्ध में सलाह-मश्वरे की योजना स्थापित करने की अनुमति दी है। बहु-एजेन्सी समूह की स्थापना विशेष काम करने के लिये की गई है जो कि विशेष कोम्युनिटी की उन्नति और स्वास्थ्य प्रगति की आवश्यकता, सांझेदारी में काम करेगा और सभी परिस्थितियों में प्रभावपूर्ण निरीक्षण करेगा। इसे आगे बढ़ाने के लिये एक संयुक्त प्रत्युत्तर के विकास करने के सम्बन्ध में मेकमिलन कैन्सर रिलीफ़ के साथ प्रारंभिक बातचीत करनी शुरू हुई जिसमें मौजूदा समस्याओं और विषय के उपयोगी प्रत्युत्तरों को स्वीकार किया है।

जिप्सी/यात्री : 2000 में फ़ेअर फ़ॉर ऑल स्टोकटेक में मौजूदा प्रबंध के कुछ गिनती के अंतराल को महत्त्वता दी है, जिप्सी/यात्रियों और शरणार्थियों तथा रेफ़्युजियों ऐसे दोनों के साथ काम करने के लिये वचनबद्धता की कमी के बारे में चिन्ता प्रकट की गई है। जिप्सी/यात्रियों के सम्बन्ध में, जनवरी 2003 में राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की बैठक द्वारा स्वास्थ्य की प्राथमिकताओं के बारे में वाद-विवाद शुरू करने के लिये कोम्युनिटी के प्रतिनिधियों के लिये एक जन-सभा का प्रबन्ध किया गया है। कार्रवाई के क्षेत्रों में शामिल है स्वास्थ्य सम्बन्धी सामग्री का उत्पादन, कोम्युनिटी का मूल्यांकन और स्वास्थ्य सम्बन्धी रिकॉर्डों को खुद संभालकर रखने का राष्ट्रीय समीकरण।

शरणार्थी और रेफ़्युजिज़ : एनआरसीईएमएच द्वारा स्कॉटलैन्ड में रेफ़्युजियों और शरणार्थियों के एकीकरण के लिये एक नैशनल प्लान तैयार करने के बारे में स्कॉटिश एक्ज़ेक्टिव के *स्कॉटिश रेफ़्युजी इन्टिग्रेशन फ़ोरम (एसआरआईएफ़)* के काम का समर्थन किया है। एनआरसीईएमएच यह एफ़एफ़ए की कार्यसूची (अजैण्डा) के हिस्से की तौर पर स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल की कार्रवाईयों की एसआरआईएफ़ की रिपोर्ट का विकास करने में एनएचएस की मदद करने की मुख्य भूमिका अदा करेगी।

प्रशिक्षण और उन्नति का काम

एनआरसीईएमएच के प्रशिक्षण विकास के काम का मुख्य उद्देश जानकारी, सांस्कृतिक तौर पर भावुक रवैया और सांस्कृतिक तौर पर योग्य सेवाओं को प्रदान करने के लिये उन्हें तैयार करने में एनएचएस स्टाफ़ नैटवर्क की सहायता से प्रशिक्षण की उन्नति की कार्यसूची का विकास करना है। पाठ्यक्रम को तीन व्यापक श्रेणियों में बांटा गया है : जानकारी और सूझ-बूझ ; विभिन्नता और सांस्कृतिक तौर पर संवेदनीय व्यवहार की महत्त्वता ; और प्रभावपूर्ण बातचीत और अल्प-संख्यक जाति की जानकारी का प्रयोग/एकत्रित होना। पीएफ़पीआई और एफ़एफ़ए इस प्रकार दोनों कार्यसूचियों को प्रदान करने के लिये स्कॉटिश एक्ज़ेक्टिव की मदद के साथ स्कॉटलैन्ड में एन एच एस स्टाफ़ का मूल्यांकन करने के लिये एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण की आवश्यकता है। हैल्थ बोर्डस के विकास का समर्थन करती प्रशिक्षण योजनाओं का विकास करने के लिये एक ड्राफ़्ट की रूप-रेखा तैयार की गई है। अन्य क्रियाओं में शामिल है प्रशिक्षण विकास समाचर-पत्र की प्राथमिकता और एनएचएस एज्युकेशन स्कॉटलैन्ड के साथ मिलकर सांस्कृतिक तौर पर योग्य विषय का विकास करना।

जानकारी, निरीक्षण और खोज का प्रभाव

स्कॉटलैन्ड में इस अनुमान से जातियता और स्वास्थ्य की विस्तारपूर्ण जानकारी की कमी है कि इन्लैन्ड और वेल्ज़ से प्राप्त जानकारी के आधार पर नीति के बारे में फ़ैसले और प्राथमिताओं को स्थापित किया जाना चाहिये। एनआरसीईएमएच का मुख्य उद्देश जानकारी के बारे में नीति बनाना, अभ्यास निश्चित करना और नैशनल ऐथनिक हैल्थ डेटा संग्रह के लिये सिफ़ारिश की हुई जानकारी के विषयों की सूची बनाना। मानवीय स्रोत और सेवा प्रदान करने के मंतव्य इस प्रकार दोनों के जरिये, इस काम का जातिय निरीक्षण करने की कोशिश करना है। एनआरसीईएमएच के जरिये इन्फ़ॉर्मेशन स्टेटिक्स डिविज़न (आईएसडी) के साथ, एडिनबरा युनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करना है, जो कि स्कॉटलैन्ड की स्वास्थ्य डेटाबेज़ के लिये जातिय कोड्स को अति प्रभावित तौर पर निर्धारित करने की कोशिश करती है।

जानकारी के इलैक्ट्रोनिक स्रोत की तौर पर काम करने के उद्देश वाली एक वैबसाइट का हाल ही में विकास हुआ है।

पुरानी बीमारी का प्रबंध : पैरा 85 के अंतर्गत *स्कॉटिश डाईयाबिटिज़ फ्रेमवर्क* के अंदर, ऐथनिक माइनोरिटी के लिये नैशनल रिसोर्स सैन्टर द्वारा स्कॉटलैन्ड में ऐथनिक माइनोरिटी के अंदर ऐपिलिमिओलॉजी ऑफ़ डायाबिटिज़ के बारे में रिपोर्ट तैयार करने के लिये कमिशन की नियुक्ति की गई है। प्राथमिक नतीजे 2003 के अंत में इन्टरनेशनल सिम्पोज़ियम (अंतराष्ट्रीय गोष्ठी) में दिये जायेंगे।

हैमोग्लोबिनोपेथिज़ : इस क्षेत्र में स्क्रिनिंग (जाँच-पड़ताल करना) के लिये आवश्यक मूल्यांकन एक काम करनेवाले समूह द्वारा किया जाता है।

हिस्सा 2

फ़ेअर फ़ॉर ऑल एचडीएल 2002 (51) और रेस इक्वॉलिटी स्कीमों पर अमल करने में एनएचएसस्कॉटलैन्ड द्वारा हुई तरक्की के बारे में इस विभाग में जानकारी दी है।

विभाग I : फ़ेअर फ़ॉर ऑल

2002 में फ़ेअर फ़ॉर ऑल स्टोकटेक का प्रबन्ध एनएचएस संस्थाओं के अंदर सांस्कृतिक योग्यता के स्तर का निरीक्षण करने के लिये किया गया था। चार शीर्षकों के अंतर्गत मुख्य चुनौतियों का स्वीकार किया गया था : समान अधिकार ; नेतृत्व ; नीतिबद्ध योजनायें और ज़िम्मेदारियाँ। *एचडीएल 2002 (51)* मार्गदर्शन के प्रकाशन के साथ, एनएचएसस्कॉटलैन्ड के लिये स्कॉटिश एक्ज़ेक्टिव द्वारा लक्ष्यों के प्रस्ताव का तीन साल का प्रोग्राम था। इसमें शामिल है प्रभावपूर्ण नेतृत्व के साथ संस्था को क्रियावन्त बनाना ; ख़तरे के बारे में आबादी जन-अंकन की रूप-रेखा का मूल्यांकन करना और योजना के प्रमाण का विकास करने के सम्बन्ध में स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करना ; सांस्कृतिक और धार्मिक आवश्यकताओं के लिये संवेदनीय सेवाओं के प्रबंध की निश्चितता के साथ सेवाओं की पहुंच का विकास करना ; और देखभाल के कार्यों में लोगों के विचार सुनना और उन्हें शामिल करने द्वारा कोम्युनिटी के विकास की पहुंच को बढ़ाना।

विभाग II : जाति समानता और सांस्कृतिक योग्यता के लिये एनएचएसस्कॉटलैन्ड की ज़िम्मेदारी

जब कि हमें सही तौर पर काफ़ी समय की आवश्यकता है, स्टोकटेक के लिये परिस्थिति के मुकाबले में महत्त्वपूर्ण सुधार करने के साथ, पूरे एनएचएसस्कॉटलैन्ड में समानता की समस्याओं में विकास करने के लिये संस्थाकीय वचनबद्धता को बढ़ाने की आवश्यकता है। इस कार्यसूची के लिये व्यक्तिगत वचनबद्धता को प्रभावित करने के लिये कमिशन फ़ॉर रेशियल इक्वॉलिटी की नेतृत्व चुनौती के लिये एनएचएस चीफ़ एक्ज़ेक्टिव अफ़सर एकमत हुए हैं।

जातिय समानता और कार्रवाई की योजनायें : रेस इक्वॉलिटी स्कीम्स और फ़ेअर फ़ॉर ऑल एक्शन प्लान्स के विकास को समझने में कुछ प्राथमिक जानकारी और स्थिरता की आवश्यकता थी। प्रकाशनों में शामिल था अस्वीकृति के बारे में डर, संस्थाकीय जातिगत और भेदभाव के अभ्यास के प्रकार की समझ की कमी और अल्पसंख्यक की आबादी के कारण 'जातियता' पर केन्द्रित होने की कमी। फिर भी, रेस इक्वॉलिटी स्कीम्ज़ और फ़ेअर फ़ॉर ऑल ऐक्शन प्लान्स समय पर खत्म हुआ है। ज्यादातर हैल्थ बोर्डस द्वारा विाकस का प्रमाण है विशेष तौर पर जहां काम करने वाले कर्मचारी हैं या/और उद्यमी चीफ़ एक्जेक्टिव हैं। एनआरसीईएमएच द्वारा रेस इक्वॉलिटी स्कीम्ज़ और ऐक्शन प्लान्स के विकास के बारे में मार्गदर्शन और समर्थन किया गया है। फर्क और सुधार को पहचानने में मदद के लिये सीआरई के साथ सांझेदारी में एक जॉइन्ट नैशनल असैस्मैन्ट फ्रेमवर्क तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय समीक्षा – सारांश और उद्देश : सभी रेस इक्वॉलिटी स्कीमों और एक्शन प्लानों की राष्ट्रीय समीक्षा सीआरई के साथ सांझेदारी में एनआरसीईएमएच द्वारा की गई थी। अंतिम रिपोर्ट में उनकी रेस इक्वॉलिटी स्कीमों और एक्शन प्लान्स को सरल बनाने और अमल में लाने के लिये बोर्डस और ट्रस्ट्स की मदद के लिये मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा। एनआरसीईएमएच के नीति नैटवर्क द्वारा नीति के बारे में राष्ट्रीय मार्गदर्शन का विकास करने के लिये क्षेत्रों और प्राथमिकताओं की महत्त्वता के जरिये एनआरसीईएमएच के भावि काम के लिये मार्गदर्शन प्रदान करने में भी मदद करेगी। इन क्षेत्रों में, शामिल है : सलाह-मश्वरा ; कोम्युनिटी का विकास ; सेवा का प्रबंध ; मानवीय स्रोत ; प्राप्ति ; प्रभाव का मूल्यांकन ; हिसाब-किताब के साधन और काम के संकेत।

एनआरसीईएमएच के साथ आपसी प्रभाव : एनआरसीईएमएच और हैल्थ बोर्डस और ट्रस्ट्स के बीच आपसी प्रभाव निश्चित तौर पर नैटवर्कस और काम करने वाले समूहों की प्रतिनिधित्व की वचनबद्धता का विकास किया जायेगा। सलाह और सहायता के लिये व्यक्तिगत निवेदन में हुई बढ़ौती को भी रिकार्ड किया गया है।

नैटवर्कस : लीड नैटवर्क के प्रतिनिधिओं की वचनबद्धता और भूमिका में प्रगति हो रही है। इसलिये व्यक्तिगत हैल्थ बोर्डस के लिये एनआरसीईएमएच द्वारा हुई मुलाकातों से मदद हुई है। एनआरसीईएमएच के काम की योजना का विकास जानकारी, प्रशिक्षण और नीति के नैटवर्कस और बोर्डस और ट्रस्ट्स की मदद के साथ सुविधा वाले नैटवर्कस काम के विशेष उदाहरणों द्वारा हुआ है।

चुनौतियाँ : इसमें शामिल है तेजी से परिवर्तन होती राजनैतिक कार्यसूची विशेषकर इयु डायरेक्टिव्स और सिन्गल इक्वॉलिटी कमिशन के बारे में सलाह-मश्वरा ; व्यापक विभिन्नता ; और सामाजिक समावित कार्य-सूची और जाति समानता पर केंन्द्रित होने की आवश्यकता ; संस्थाकीय भेदभाव का संबोधन करना ; पूरी संस्था के अंदर संपर्क बढ़ाना और अनुमान किया जा सकने वाली परिवर्तन की निश्चितता।

संचालन : एनआरसीईएमएच अल्पसंख्यक जाति कोम्युनिटियों के महान इकट्ठ को उत्साहित करेगी और निश्चित करेगी कि वह एनआरसीईएमएच के काम का विकास करने में एक क्रियाशील हिस्सा लेने के योग्य अवसर प्रदान करते हैं। सांझेदारी के काम और होते अवसरों द्वारा उपयोगी योग्य अभ्यास प्रदान करते हैं। सांझेदारी के काम और अवसरों के जरिये उपयोगी उचित अभ्यास की ताकीद को बढ़ाना होगा। एनआरसीईएमएच राष्ट्रीय मार्गदर्शन को प्रकाशित करने का, काम के संकेतों का विकास करने का और अभ्यास में होते परिवर्तन की सुनिश्चितता के लक्ष्यों के लिये काम करेगी ; और पेशन्ट फ़ोकस और पब्लिक इन्वोल्वमैन्ट जैसी असमानता के सम्बन्ध में राष्ट्रीय कार्यसूची के बारे में ध्यानपूर्वक काम करेगा।

एनएचएस बोर्डस और ट्रस्ट्स यह एनआरसीईएमएच द्वारा सहायता प्रदान करती स्वास्थ्य संबंधी मुख्य संस्थायें हैं। फिर भी, एनआरसीईएमएच ने स्वयंसेवी विभाग, स्थानिक सरकार और अन्य कानूनी ऐजन्सियों और संस्थाओं के साथ भी ज़रूरी संबंध स्थापित किये हैं।

निर्णय

एनएचएस के अंदर राजनैतिक इच्छा के प्रयोग, प्रबंधकीय व्यवहार, चुनौती वाला लेकिन विशेष मार्गदर्शन और कानून-निर्माण और शुभ इच्छा की व्यापकता द्वारा, स्कॉटलैन्ड ने बहु-जाति, बहु-सांस्कृतिक सोसायटी की आवश्यकताओं के लिये स्वास्थ्य सेवा को उत्तरदायी बनाने के लक्ष्य द्वारा अधिक महान नीति और नीतिबद्ध योजना की चुनौतियों की समस्याओं को सुलझाने में उचित विकास किया है। यदि इस गति की पालना करना है, तो योजना के लिये लम्बे समय की अवधि की आवश्यकता है और अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ सांझेदारी में प्राथमिकताओं पर केन्द्रित होना ज़रूरी है।

जाति समानता के संबंध में बोर्डस की प्रथम वार्षिक समीक्षा हमने खत्म की है। इस विश्लेषण से प्राप्त मुख्य संकेतों से वर्ष 2 और 3 में काम पर केन्द्रित होने में हमें मदद होगी।

- नीति-बद्ध योजना के स्तरों पर स्पष्ट तौर से नेतृत्व स्थापित करने से हम अब कर्मचारियों द्वारा प्रबंधकीय और नियंत्रित स्तरों के प्रभाव को देखना चाहते हैं।
- बोर्डस द्वारा जन-अँकन रूप-रेखा तैयार की गई है और अल्पसंख्यक स्थानिक जातिय जन-संख्या की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया गया है। स्वास्थ्य पर प्रभावित होते मूल्यांकन की कार्रवाई और प्रभाव के लिये एक राष्ट्रीय रूप-रेखा स्थापित करने की मदद के लिये अलग साधनों का विकास करने की आवश्यकता है।
- एक्शन प्लान्स के स्पष्ट अंतर को पहचाना गया है और मूल सीमा अंकित की गई है, बोर्ड को इस क्षेत्र की ओर जितना जल्द हो सके आगे आने के लिये उत्साहित किया जायेगा और यह निश्चित किया जायेगा कि बातचीत, आहार, धार्मिक देखभाल और सलाह-मश्वरा के सम्बन्ध में व्यक्तिगत देखभाल के हर पहलू के लिये सांस्कृतिक तौर पर उचित व्यवस्था है।

- प्रशिक्षण और शिक्षा में कुछ गिनती के स्तरों पर संस्थाकीय उचित विकास शामिल होगा : जान-पहचान, उच्च पद के अधिकारी, प्रबंध के लिये गैर-पक्षपाती अभ्यास, व्यवसायिक विकास और अल्पसंख्यक कर्मचारियों के लिये अनुभवी अवसर।
- और अधिक प्रभावशाली सलाह-मश्वरे और अल्पसंख्यक जाति के उपयोगकर्ताओं के साथ शामिल होने के संबंध में समर्थन और मार्गदर्शन दिया जायेगा ; इलाकाई सांझेदारी के लिये अवसर पैदा किये जायेंगे और उचित अभ्यास के उदाहरणों के प्रयोग को मजबूत बनाया जायेगा।
- हम यह निश्चित करेंगे कि ग्रामीण इलाकों में जाति समानता की समस्यायें अन्त :एजन्सी के मुख्य कार्यों में शामिल होती हैं और अल्पसंख्यक जाति समूहों की आवश्यकताओं को सामाजिक सम्मिलित कार्यसूची के हिस्से की तौर पर संबोधित करते हैं।

एनआरसीईएमएच की केन्द्रिय भूमिका यह पहले से भी अधिक प्रत्यक्ष है। अगले वर्ष के लिये मुख्य चुनौतियों में से एक है एनएचएस हैल्थ बोर्डस के अंदर नई बनी पून : रचना को मजबूत करना। यह और इन्य चुनौतियो में स्कॉटिश एक्जेक्टिव की लगातार सहायता, स्टाफ़ असोसिएशन, युनियन, व्यवसायिक संस्थायें और – सब से ज्यादा आवश्यक फ रोगी शामिल होंगे। इस में असंतुष्टताक ा कोइ ंसवाल ही पैदा नहं होता – क्योंकि सब से अधिक यखत काम है हालात पर अमल करना, हमने अभी ही काम शुरू किया है।

Astron B31473 9-03